# सीखने के प्रतिफल

**कक्षा तीन** **हिंदी**

**बच्चे –**

- सुनी/पढ़ी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, राय बताते हैं।
- कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।
- पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं।
- तरह-तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/लिखित रूप से) देते हैं।
- अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ लगाते हैं।
- तरह-तरह की रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे – शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं।
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे – दोस्त को पत्र लिखना) का निर्णय लेते हुए लिखते हैं।
- अलग-अलग उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे – पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

सत्यमेव जयते
हिमाचल प्रदेश सरकार

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें